



Духовний сан:

П	Р	О	Т	О	Ц	І	Є	Р	Є	Ц									
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Прізвище:

Ц	И	К	В	А	С														
---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

(латинськими)

Т	С	У	К	В	А	С													
---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Ім'я:

І	В	А	Н																
---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

(латинськими)

І	В	А	Н																
---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

По батькові:

І	В	А	Н	О	В	И	Ц												
---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Дата народження:

1	2																		
---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Дата рукоположення в духовний сан:

1	2																		
---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Місце служіння:

С	В	У	П	А	В	И	Ц	І	Є	Р	Є	Ц							
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--

Назва релігійної громади:

А	В	А	В	И	Ц	І	Є	Р	Є	Ц									
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Особистий підпис:

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Керуючий Дрогобицько-Самбірської єпархії архієп.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

«Всі шануйте диаконів, як заповідь Ісуса Христа, а єпископів, як Ісуса Христа, Сина Бога Отця, священників же, як зібраний Богом, як стено апостолів. Без них немає Церкви».

(Свщчч. Ігнатій Богомоць).

Дата анкетування:

2	3																		
---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

№

0	0	0																	
---	---	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

1 / 1